वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

प्रथम वर्ष बी.ए.

सेमेस्टर-I

हिंदी भाषा-क□□□

(2017 - 2018, 2018 - 2019, □□ 2019 – 2020 के शैक्षणिक वर्ष के लिए)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

प्रश्नपत्र – 1. हिंदी भाषा-क□□□ : □□□□□ (अनिवार्य हिन्दी) Foundation Course-1

पाठ्यपुस्तक – 1. □□□□□ – मैथिलीशरण गुप्त प्रकाशक ,साहित्य सद□□ ,□□□□

2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण, 'पंच□□□' : कथावस्तु |

□□□□ – 2.

'□□□□□' : काव्य – स्वरूप, '□□□□□' के पात्र , '□□□□□' में प्रकृति वर्णन, 'पंचवटी' में र□-□□□□□ |

□□□□ – 3.

'□□□□□' में संवाद – य□□□□, '□□□□□' शीर्षक की सार्थकता, 'पंचव□□' काव्य का उद्देश्य ,

'□□□□□' की □□□□-□□□

□□□□ – 4.

संक्षेपण का महत्त्व, पल्लवन का महत्त्व, पत्राचार – पात्र के अंग और व्यक्तिगत पत्र |

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. प्रशासानक एवं कायालया हिदा – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनशकुमार गुप्त
2. संक्षेपीकरण – गणेशप्रसाद गुप्त
3. हिंदी रामकाव्य: नये सन्दर्भ – ड□. प्रमिला अवस्थी
4. हिंदी व्याकरण – ड□. उमेशचंद्र शुक्ल
5. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा
6. हिंदी व्यकरण: प्रबोध एवं रचना – □□. □□. □□. जगन्नाथ
7. हिंदी व्याकरण एवं रचना – प्रियंका तिवारी (सरस्वती प्रकाशन, क□□□□)
8. प्रयोग □□ प्रयोग-□□.□□.जगन्नाथन
9. □□□□□□□□ गुप्त-□□□□ प्रकाश दीक्षित
10. 11. □□□□□□□□ गुप्तः काव्य संदर्भ क□□-□□.नगेन्द्र

=================

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, □□□
प्रथम वर्ष बी.ए.
हिंदी : सेमेस्टर - I

(2017 - 2018, 2018 - 2019, □□ 2019 – 2020 के शैक्षणिक वर्ष के लिए)

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

प्रश्नपत्र – 1. A. हिन्दी काव्य – श□□□□: (मुख्य – □□□) (Core Course 01- Elective Course - 01)

पाठ्यपुस्तक : □□□□ – □□□ □□□□ (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

□□□ □□□□ : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण , 'श□□□' : कथावस्तु ।

□□□□ – 2.

'□□□□' : काव्य – स्वरूप, '□□□□' के मुख्य पात्र , '□□□□' में नारी-भ□□□□ □

□□□□ – 3.

'□□□□' के गौण पात्र , '□□□□' में प्रकृति वर्णन, 'शबरी' में भक्ति भावना ।

□□□□ – 4.

'□□□□' शीर्षक की सार्थकता, 'शब□□' काव्य का उद्देश्य , '□□□□' □□ □□□-पक्ष □

□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (को□ विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
2. हिंदी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – डॉ. □□□□□□□□
3. हिंदी रामकाव्य:नये सन्दर्भ – ड□. प्रमिला अवस्थी
4. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
5. नयी कविता की प्रबंध – □□□□ – □□. महावीरसिंह चौहान
6. आधुनिक प्रबंधकाव्य : □□□□□ □□□□□□□ – □□. □□. □□□□□ □□□□□
7. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य – डॉ. कविता शर्मा
8. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्याङ्कन- संपा. □□. □□ □□□□□
9. □□□□□□□ □आगे:श्री न□□ □□□□-□□□□ श्रीवास्तव

=======================

अथवा

प्रश्नपत्र – 1.B. हिन्दी काव्य - य□□□□□: (मुख्य – □□□)(Total Marks – 50 ; Credits o3)

(Core Course 01- Elective Course - 01)

पाठ्यपुस्तक : □□□□□□ - मैथिलीशरण गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण

‘□□□□□□’ : कथावस्तु

□□□□ – 2.

‘□□□□□□’ : काव्य – स्वरूप, ‘□□□□□□’ के मुख्य पात्र : □□□□□□, सिद्धार्थ, शुद्धोधन |

‘□□□□□□’ में नारी भावना

□□□□ – 3.

‘□□□□□□’ के गौण पात्र : नन्द, महाप्रजावती, □□□, राहुल, गौतमी आदि |

‘□□□□□□’ में प्रकृति वर्णन, ‘यशोधर□’ में विरह – वर्णन |

□□□□ – 4.

‘□□□□□□’ शीर्षक की सार्थकता, ‘यशोध□□’ काव्य का उद्देश्य, ‘य□□□□□’ □□ □□□-पक्ष |

□□□ □□□□□□ :

प्रश्न 1. **पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x** 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – **एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□** (□)(07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. □थिलीशरण गुप्त – सं□□. नवल किशोर (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
3. हिंदी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – डॉ. □□□□□□□□□
4. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध – उर्वशी शर्मा
5. नयी कविता की प्रबंध – □□□□ – □. महावीरसिंह चौहान
6. आधुनिक प्रबंधकाव्य : सं□□□□ □□□□□□ – □□□. □□. □□□□□ □□□□□
7. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य – डॉ. कविता शर्मा
8. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्याङ्कन- संपा. डॉ. □□ □□□□□
9. □ □□□□□ □आगे:श्री न□□ □□□□-□□□□ श्रीवास्तव

प्रश्न – 2. A . □□□□ □□□□□ : □□□□□ – □□ (मुख्य–□□□)(Total Marks – 50 ; Credits o3)

(Core Course 02- Elective Course - 02)

पाठ्यपुस्तक : 1. □□□□□ – □□ : □□. □□. □□. '□□□□□□' (गोविन्द प्रकाशन मथुरा, उत्तर प्रदेश)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

□□□□ -1.

कहानी विधा का परिचय , उदभ□ □□□□□□□ , तत्त्व एवं प्रकार |

कहानियों का सम्पूर्ण अध्ययन एवं कहानीकार का परिचय :

परीक्षा - प्रेमचंद ,

□□□□□□ □□ □□□- हरिशंकर प□□□□,

□□□□□ - □□□ प्रियंवदा |

□□□□ – 2.

कहानियों का सम्पूर्ण अध्ययन एवं कहानीकार का परिचय:

□□□□ – जयशंकर प्रसाद,

आदमी का बच्चा - □□□□□,

□□□□ - मन्नू भंडारी |

□□□□ – 3.

कहानियों का अध्ययन : कहानी शीर्षक की सार्थकता, उद्देश्य एवं सन्देश,

□□□□- शिल्प का परिचय,

□□□□ –□□□□□ - जैनेन्द्र कुमार,

दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर |

□□□□ – 4.

कहानियों का अध्ययन: कहानी शीर्षक की सार्थकता, उद्देश्य एवं सन्देश,

□□□□- शिल्प का परिचय,

□□□□□ – □□□□ □□□□ ,

□□□-□□ - भीष्म साहनी |

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. प्रेमचंद-ड□.सत्येन्द्र) राधाकृष्ण प्रकाशन ,□□ दिल्ली(
2. प्रेमचंद-ड□.□□□□□□□□ शर्मा) □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली(
3. हिंदी □□□□□□ □□□□ □□□□□-□.□□□□□□ मिश्र) □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली(
4. □□ कहानी:संदर्भ औ□ प्रवृत्ति-सं□.□□.□□□□□□ अवस्थी)□□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली(
5. □□ □□□□□ समानान्तर-सं□.राजेन्द्र □□□□)□□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली(
6. □□□-साहित्य के □□ □□□-□□.□□□□ □□□□□□ □□□) शिल्पायन,शा□□□□ ,दिल्ली(32-
7. हिंदी □□□□□□ प्रकिया औ□ □□□-सुरेन्द्र □□□□□) राधाकृष्ण प्रकाशन ,□□ दिल्ली(
8. हिंदी □□□□□ □□ □□□□□□-□.□□□□□ □□□) □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली(
9. कहानी:स्वरूप औ□ □□□□□-राजेन्द्र □□□□

=================

अथवा

प्रश्नपत्र – 2. B. □□□□□ □□□□□ : □□□□□ – □□□□□□ : (मुख्य – □□□)

(Core Course 02- Elective Course - 02) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : 1. □□□□□ – □□□□□□ - □□. □□. □□□□ □□□ (शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

□□□□ -1.

कहानी विधा का परिचय , उदभ□ □□□□□□□ , तत्त्व एवं प्रकार |

कहानियों का सम्पूर्ण अध्ययन एवं कहानीकार का परिचय :

ईद का त्यौहार - प्रेमचंद ,

□□□□□□□ □□ - **चंद्रघर शर्मा गु□□,**

आदमी का बच्चा – □□□□□ |

□□□□ – 2.

कहानियों का सम्पूर्ण अध्ययन एवं कहानीकार का परिचय :

□□□□ □□□□□ – **जयशंकर प्रसाद,**

□□□□□□ □□ □□□- **हरिशंकर परसाई,**

□□□□ – **जैनेन्द्र कुमार |**

□□□□ – 3.

कहानियों का अध्ययन : कहानी शीर्षक की सार्थकता, उद्देश्य एवं सन्देश,

□□□□- **शिल्प का परिचय,**

दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर ,

□□□□□ □□□□□□□ – **अज्ञेय, |**

□□□□ – 4.

कहानियों का अध्ययन: कहानी शीर्षक की सार्थकता, उद्देश्य एवं सन्देश,

□□□□- **शिल्प का परिचय,**

प्रायश्चित – भगवतीचरण वर्मा

वारिस – □□□□ □□□□□ **|**

प्रश्न 1. **पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x** 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 2 = 26 □□

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – **एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और** (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. प्रेमचंद-डॉ.सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन ,□□ दिल्ली
2. प्रेमचंद-ड□.□□□□□□□□ शर्मा, □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
3. हिंदी □□□□□□ □□□□ □□□□□-□□.□□□□□□ मिश्र) □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
4. □□ कहानी:संदर्भ और प्रवृत्ति-सं□.□□.□□□□□□ अवस्थी, □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
5. □□ □□□□□ समानान्तर-सं□.राजेन्द्र □□□□ , □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
6. □□□-साहित्य के □□ □□□-□□.□□□□□ □□□□□□ □□□, शिल्पायन,शा□□□□ ,दिल्ली
7. हिंदी □□□□□□ प्रकिया और □□□-सुरेन्द्र □□□□□ , राधाकृष्ण प्रकाशन ,□□ दिल्ली
8. हिंदी □□□□□ □□ □□□□□□-□□.□□□□□, □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ल
9. कहानी:स्वरूप और □□□□□-राजेन्द्र □□□□

=================

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सु□

प्रथम वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-क□□□

सेमेस्टर - II

(2017- 2018, 2018 - 2019, □□ 2019 – 2020 के शैक्षणिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 2. हिंदी भाषा-क□□□ : निर्मला :(अनिवार्य हिन्दी) Foundation Course-2

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक – 1. निर्मला – प्रेमचंद (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)

2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र –

□□□□ – 1.

प्रेमचंद का व्यक्तित्व और कृतित्व, 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु,

'निर्मला' उपन्यास में दहेज़ की समस्या और 'निर्मला' उपन्यास में अनमेल विवाह की समस्या ।

□□□□ – 2.

'निर्मला' एक सामाजिक उपन्यास, 'निर्मला' उपन्यास का तात्विक विश्लेषण,

'निर्मला' उपन्यास के प्रमुख पात्र, 'निर्मला' के ग□□ पात्र □

□□□□ - 3. □□□□: (गुजराती से हिंदी में)

□□□□ – 4. □□□□□– लोकोक्तियाँ, वाक्य-शुद्धि,

शब्द-ज्ञान: शब्द-शुद्धि, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित उपन्यास से केवल 5 संक्षिप्त प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. (□) □□□□ 3 से एक अनुवाद का प्रश्न □□ (07 x 1 = 07 □□)

(□) □□□□ 4 □□7 व्याकरण के संक्षिप्त प्रश्न (07 x 1 = 07 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. ग□□□□□□□ (राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली)
2. उपन्यास का स्वरूप – ड□. शशी भूषण सिंहल (आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली)
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में कृषक जीवन – डॉ. उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, रो□□□)
4. प्रयोग और प्रयोग – वी.□□. जगन्नाथ
5. हिंदी व्याकरण – ड□. उमेशचंद्र शुक्ल
6. □□□□-विज्ञान – □. □□□□□□ □□□□□
7. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा
8. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
9. हिंदी व्यकरण: प्रबोध एवं रचना – □. □□. □□. जगन्नाथ
10. प्रेमचंद एक अध्ययन – राजेश्वर गुरू

==

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
प्रथम वर्ष बी.ए.
हिंदी – सेमेस्टर – II

(2017 - 2018, 2018 - 2019, □□ 2019 – 2020 के शैक्षणिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 3. A. □□□□□ □□□□□ - काव्य -□□□ (मुख्य और गौण)

(Core course 03 - Elective - 03) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : काव्य -□□□ - महेंद्र कुलश्रेष्ठ राजपाल एन्ड सन्स, कश्मीरी □□, दिल्ली

अध्ययन □□□□ निर्धारित क्षेत्र-

□□□□ – 1. कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय :

कैकयी का पश्चाताप - मैथिलीशरण गुप्त, पु□□□ – जयशंकर प्रसाद

□□ □□ □□ □□□□ □□ – गजानन माधव मुक्तिबोध, मौन निमंत्रण – सुमित्रानंदन पन्त ।

□□□□ – 2. कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय :

□□□□□□, □□□□□□ □□ – महादेवी वर्मा , जो □□□ □□□ □□ □□□ □□□ – हरिवंशराय बच्चन

हिमालय के प्रति – रामधारी सिंह दिनकर, कविता की मौत – धर्मवीर भारती ।

□□□□ – 3. कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय :

जागो फिर एक बार, भिक्षुक - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला , एकलव्य – कीर्ति चौधरी ।

□□□□ – 4. कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय :

छिनने आये हैं वे – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना , मतदा□□, सुदामा पाण्डेय **धूमिल**,

पत्थर की बैंच – चंद्रकांत देवताले की कवितायें ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. मैथिलीशरण गुप्त – सं□. नवल किशोर (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. मैथिलीशरण गुप्त एक मूल्यांकन – राजीव सक्सेना (हिंदी बुक सेंटर नई दिल्ली)
3. प्रसाद का काव्य – □□. प्रेमा शंकर
4. अज्ञेय का काव्य एक पुनर्मुल्यांकन – शम्भुनाथ चतुर्वेदी
5. □□□□□□□ – □□. नामवरसिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. अज्ञेय : एक अध्ययन – □□. □□□□□□□ □□□
7. □□□□□□ – □□. रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. नई कविता का सौन्दर्य बोध – रेनू दीक्षित
9. जयशंकर प्रसाद – □. □□□□□□□□□□□□
10. सुमित्रानंदन पन्त – आनंद प्रकाश दीक्षित
11. हरिवंश राय बच्चन की साहित्य साधना – पुष्पभारती (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
12. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि दिनकर – संपा. मनमंथ नाथ गुप्त (राजपाल एण्ड संस, दिल्ली)

===

प्रश्नपत्र – 3. B. □□□□□ □□□□□ : **काव्य – □□□□** **(मुख्य – □□□)**

(Core Course 03- Elective Course - 03) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक : काव्य – □□□□ - □□. सत्यप्रकाश मिश्र लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

अध्ययन □□□□ निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ – 1. **कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय :**

प्रथम रश्मि, या□□□ – सुमित्रानंदन पन्त, लज्जा और नारी, □□□ – जयशंकर प्रसाद
तुम और मैं, वह तोडती पत्थर- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला |

□□□□ – 2. **कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय :**

□□□– □□□□□□□□□ □□, **क्या पूजा क्या अर्चन रे – महादेवी वर्मा**

□□□□□□, □□ – **हरिवंशराय बच्चन, वरदान माँगूँगा नहीं – शिवमंगल सिंह सुमन |**

□□□□ – 3. **कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय:**

□□ □□ □□ □□□□ □□ – **गजानन माधव मुक्ति बोध**

□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□, **कितनी नावों में कितनी बार – अज्ञेय |**

□□□□ – 4. **कविताओं का अध्ययन एवं कवियों का परिचय:**

बसन्ती हवा – केदारनाथ अग्रवाल, □□□□□□□ – **नागार्जुन,** अ□□□ – □□□□□ □□□□ |

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – **एक टिप्पणी का प्रश्न (अ)** □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. □□□□□□ □□□□□ – **गंगाप्रसाद पाण्डेय**
2. □□□□□ – **इन्द्रनाथ मदान**
3. **प्रसाद का काव्य – □□. प्रेमा शंकर**
4. **अज्ञेय का काव्य एक पुनर्मुल्यांकन – शम्भुनाथ चतुर्वेदी**
5. □□□□□□□ – **□□. नामवरसिंह (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
6. **अज्ञेय : एक अध्ययन – □□.** □□□□□□□ □□□
7. □□□□□□ – **□□. रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)**
8. **आज के लोकप्रिय कवि बच्चन – सं□. चन्द्रगुप्त विद्यालंकार**
9. **जयशंकर प्रसाद –** □. □□□□□□□□□□□
10. **सुमित्रानंदन पन्त – आनंद प्रकाश दीक्षित**
11. **समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
12. **नई कविता का सौन्दर्य बोध – रेनू दीक्षित**

==

प्रश्नपत्र – 4 . A. हिन्दी उपन्यास - स्वामी : (मुख्य और गौण)

(Core course 04-Elective - 04) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्त - 1. स्वामी – मन्नू भंडारी (प्रकाशक-□□□□□□□□ प्रकाशन, □□□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□ -1.

मन्नू भंडारी : व्यक्तित्व और कृतित्व, उपन्यास विधा का परिचय

'स्वामी' : उपन्यास की कथावस्तु, 'स्वामी' : उपन्यास एक प्रणय त्रिकोण की कथा है,

'स्वामी' : उपन्यास का तात्विक विश्लेषण ।

□□□□ - 2.

'स्वामी' : उपन्यास के मुख्य पात्र - □□□□□□□□, घनश्याम और नरेन्द्र ,

'स्वामी' : एक सामाजिक उपन्यास के रूप में ।

□□□□ - 3.

'स्वामी' : उपन्यास के एवं गौण पात्र , 'स्वामी' : उपन्यास में संवाद-योज□□,

'स्वामी' : उपन्यास : में देश काल और वातावरण।

□□□□ - 4.

'स्वामी' : उपन्यास शीर्षक की सार्थकता, 'स्वामी' : उपन्यास की भाषा-शै□□,

'स्वामी' : उपन्यास काअं□, 'स्वामी' : उपन्यास का उद्देश्य ।

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्र 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ.रामदरश मिश्र (गिरनार प्रकाशन. मेह□□□□)
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.□□□□□ □□□, □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – ड□. रामदरश मिश्र, रा□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली,
4. शरत के नारी पात्र – रामस्वरूप चतुर्वेदी (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

==

□□□□

प्रश्नपत्र – 4. B : हिन्दी उपन्यास: भिखारिण (मुख्य – □□□)

(Core Course 04- Elective Course - 04) (Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्यपुस्तक -1. भिखारिणी – विश्वंभर नाथ शर्मा 'कौशि□' (□□□□□□□□ प्रकाशन ,□□□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□ -1.

विश्वंभर नाथ शर्मा 'कौशि□' : व्यक्तित्व और कृतित्व, उपन्यास विधा का परिचय
'भिखारिणी' : उपन्यास की कथावस्तु , 'भिखारिणी': उपन्यास में एक प्रणय की कथा है,
'भिखारिणी': उपन्यास तात्विक विश्लेषण |

□□□□ - 2.

'भिखारिणी' : उपन्यास के मुख्य पात्र: चरित्र-चित्रण,
'भिखारिणी': उपन्यास एक सामाजिक उपन्यास है |

□□□□ - 3.

'भिखारिणी': उपन्यास में संवाद-योज□□, 'भिखारिणी': उपन्यास : में देश काल और वातावरण,
'भिखारिणी': उपन्यास के गौण पात्र |

□□□□ - 4.

'भिखारिणी': उपन्यास शीर्षक की सार्थकता, 'भिखारिणी': उपन्यास की भाषा-शै□□,
'भिखारिणी': उपन्यास का उद्देश्य |

□□ □□□□□□ –

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)(05 x 2 = 10 □□)
प्र: 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)
प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ.रामदरश मिश्र गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा।
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.□□□□□ □□□ □□□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र रा□□□□ प्रकाशन प्रा.□.□□ दिल्ली
4. आधुनिक हिंदी उपन्यास – संप□. भीष्म साहनी, रामजी मिश्र

==